हिंदी विभाग

वार्षिक रिपोर्ट 2016

14 मार्च 2016 को हिंदी विभाग तथा सृजन के संयुक्त तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय हिंदी मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया |जिसमें दयाल सिंह कॉलेज के मो. वसीम खान को प्रथम पुरस्कार मिला |द्वितीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की काजल को मिला |तृतीय पुरस्कार गार्गी कॉलेज की ही पिंकी को दिया गया|दो प्रोत्साहन पुरस्कार अरविंदो कॉलेज के सूरज राव और पिंकी झा को दिए गये |इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में थे -डॉ स्नेह लता और डॉ. सपना चमडिया |

15 मार्च 2016 को हिंदी विभाग तथा अभिव्यक्ति के सयुंक्त के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय हिंदी वाद -विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे डॉ. स्नेह सुधा नवल और डॉ. सरोज सक्सेना |इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता थी लेडी गुरु तेगबहादुर खालसा कॉलेज की सोनल निगम| द्वितीय पुरस्कार मिला शिवाजी कॉलेज के दिग्विजय को|तृतीय पुरस्कार सुयश को दिया गया |दो प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए-कमला नेहरू कॉलेज की कोमल उपाध्याय एवम् सत्यवती कॉलेज के तेजस्वी को |

21 मार्च 2016 को ब्रिटेन के सुपरिचित हिंदी कथाकार तेजेन्द्र शर्मा ने हिंदी सिनेमा की वैश्विक पहुँच' पर एक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया| 18 अप्रैल 2016 को हिंदी साहित्य परिषद के समापन समारोह के अवसर पर प्रतिभाशाली छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गये |समापन समारोह के अंत में हिदी विभाग की प्रभारी डॉ सुषमा सहरावत ने छात्राओं को वार्षिक गतिविधियों से अवगत कराया तथा छात्राओं को आशीर्वचन देकर भविष्य में आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया| इसी के साथ 'हिंदी साहित्य परिषद'के समारोह का समापन हुआ | 25 जुलाई को दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज के 2016 -2017 के सत्र का समापन आरम्भ हुआ | इस नये सत्र में हिंदी विभाग के प्रथम वर्ष के सेमेस्टर के लिए कुल 64 छात्राओं का नामांकन हुआ| हिदी विभाग की छात्राओं का वार्षिक परिणाम अच्छा रहा |तृतीय वर्ष में 75 छात्राओं में से ४७ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई | सर्वाधिक अंक 75% भावना ने प्राप्त किये |द्वितीय वर्ष में 57 छात्राओं में से 55प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई सर्वाधिक अंक 89% ज्योति ने प्राप्त किये |प्रथम वर्ष में 72 छात्राओं में से 40 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई | सर्वाधिक अंक 77.7 % अंक रामभतेरी ने प्राप्त किये |

हिंदी विभाग कमला नेहरू कॉलेज द्वारा 14 जुलाई 2016 को प्रातः 11 बजे कम्प्यूटर लैब में संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया|इसमें पी.जी.डी.ए.वी.(सांध्य) के

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.हरीश अरोड़ा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए प्राध्यापकों को बदलते परिप्रेक्ष्य में संकाय विकास की अवधारणा एवम् महत्ता बताई| कार्यक्रम का आरम्भ हिंदी विभाग की वर्तमान प्रभारी डॉ. सुषमा सहरावत ने प्लान्टर भेंट देकर की,साथ ही हरीश जी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया |डॉ. अरोड़ा ने संकाय की अवधारणा स्पष्ट करते हुए कहा कि प्राध्यापकों को अपने माइंड सेट बाहर निकलना होगा,उन्हें अपने व्यक्तित्व के विकास,शिक्षण की नवीन पद्धतियों और रचनात्मक लेखन की और भी प्रवृत होना होगा |डॉ.अरोड़ा ने इस बात पर भी बल दिया कि बदलते हुए वैश्विक परिवेश में हम सभी को तकनीकी यूजर फ्रेंडली भी बनना चाहिए,परम्परागत विषयों का आधुनिक सन्दर्भ खोजना चाहिए | संगोष्टियों/सम्मेलनों /कार्यशालाओं में लगातार सहभागिता बनाए रखनी चाहिए| विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग,केन्द्रीय हिंदी संस्थान,केन्द्रीय हिंदी निदेशालय आदि से आर्थिक अनुदान भी लिया जा सकता है | उन्होंने कहा कि शिक्षण की नवीन पद्धतियों का प्रयोग करना चाहिए जिसके अंतर्गत छोटी फ़िल्में,डोक्यूमेंट्री का प्रदर्शन,ऑडियो-वीडियों का सहयोग,भाषा -लैब का निर्माण, ई लर्निंग की सुविधाओं का निर्माण होना चाहिए |डॉ.अरोड़ा ने अपने वक्तव्य के अंत महत्वपूर्ण सूत्र कहा कि प्राध्यापक के लिए अति अनिवार्य है कि वह विद्यार्थियों से लगातार संपर्क में बने रहें,उनसे संवाद स्थापित करें |इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के प्राध्यापकों के अतिरिक्त अन्य विभाग के प्राध्यापकों ने भी हिस्सा लिया| डॉ, संगीता ने डॉ, अरोड़ा अवम सभी प्राध्यापकों का धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया |

हिंदी विभाग द्वारा 22 सितम्बर 2016 को हिंदी साहित्य को हिंदी साहित्य परिषद् के उद्घाटन समारोह के अंतर्गत तुलसी जयंती मनाई गई | कार्यक्रम का शुभारम्भ दीपप्रज्वलन तथा तुलसी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर रामचरित मानस के दो भजनों के गायन से हुआ |इसमें वक्ता के रूप में प्रो.गोपेश्वर सिंह तथा प्रो.कैलाश नाथ तिवारी आमंत्रित थे जिन्होंने क्रमशःतुलसी की प्रासंगिकता तथा तुलसी की नारी शक्ति विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए|

हिंदी विभाग द्वारा 20 अक्टूबर 2016 को कॉलेज की सभी छत्रों के लिए दोहा पाठ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया |इसमें विविध विषयों की छात्राओं द्वारा उत्साहपूर्वक तुलसी ,कबीर रहीम आदि के विभिन्न दोहों का गायन पाठ किया गया |इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया बी.ए . प्रोग्राम की छात्रा पूजा ने|द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार क्रमश: प्राप्त किये हिंदी विशेष की तृतीय वर्ष की छात्रा प्रियंका तथा एम.ए.हिंदी उत्तरार्द्ध की छात्र अंजू ने |प्रतियोगिता में दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किये गये जिन्हें प्राप्त किया हिंदी विशेष तृतीय वर्ष की छात्राओं पूर्णिमा और प्रीति ने |प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में थे -डॉ रजत रानी आर्य ,डॉ.अनुराधा गुप्ता तथा डॉ. भारती|